भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2019 के

तारांकित प्रश्न सं. 454 का उत्तर

पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारा परियोजना

***454. डॉ. अमर सिंहः**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पंजाब में लुधियाना से पश्चिम बंगाल के डानकुनि तक पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारा परियोजना (ईडीएफसी) का काम शुरू कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस परियोजना की राज्य-वार वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या कुछ राज्यों में यह एकल (सिंगल) लाइन और बिना विद्युत लाइन की होगी;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) इस परियोजना के कब तक पूर्णतया परिचालित होने की संभावना है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ड.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारा परियोजना के संबंध में दिनांक 24.07.2019 को लोक सभा में डा. अमर सिंह के तारांकित प्रश्न सं.454 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): जी हां। लुधियाना से डानकुनी तक पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारा (ईडीएफसी) परियोजना वर्ष 2006 और 2008 (दो चरणों में) में स्वीकृत की गई थी और इसे रेल मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) द्वारा निष्पादित किया जा रहा है। ईडीएफसी की राज्य-वार लंबाई पंजाब-88 कि.मी., हरियाण-72 कि.मी., उत्तर प्रदेश-1058 कि.मी., बिहार-239 कि.मी., झारखंड-196 कि.मी. और पश्चिम बंगाल-203 कि.मी. है।

इन राज्यों में ईडीएफसी परियोजना की मौजूदा स्थिति निम्नानुसार है:

- **सरकार द्वारा ईडीएफसी के निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है और 919 किमी. रेलपथ लिकिंग के जरिए 2014-2019 में 16371 करोड़ रु. का उपयोग किया गया है जबकि 2009-2014 में रेलपथ लिंक किए बिना 3865 करोड़ रु. का उपयोग किया गया।**
- **मुगलसराय (उत्तर प्रदेश) से लुधियाना (पंजाब) (1192 कि.मी.) खंड को विश्व बैंक से ऋण लेकर निष्पादित किया जा रहा है। सभी सिविल ठेके और 97.8 प्रतिशत के सिस्टम संबंधी ठेके (सिगनल, दूरसंचार और विद्युतीकरण कार्य) दे दिए गए हैं। नवंबर 2018 में बधान-खुर्जा खंड (194 कि.मी.) में परीक्षण चालन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया था।**

- **सोननगर (बिहार) से मुगलसराय (उत्तर प्रदेश) (126 किमी.) खंड का वित्तपोषण रेलवे के स्रोतों से किया जा रहा है। इस खंड के सभी ठेके दे दिए गए हैं और कार्य निर्माण के अंतिम चरण में है।**

- **सोननगर (बिहार) से दानकुनी (पश्चिम बंगाल) (538 किमी.) खंड को पीपीपी माध्यम से निष्पादित किया जा रहा है। अभी तक लगभग 85 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण पूरा हो गया है और बोली दस्तावेज तैयार करने का कार्य अंतिम चरण में है।**

(ग) और (घ): ईडीएफसी के इन सभी खंडों को विद्युतीकृत करने की योजना बनाई गई है। खुर्जा से लुधियाना (401 कि.मी.) खंड, जो उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब राज्यों से गुजरता है, की एकल लाइन के रूप में योजना बनाई गई है, जो इस मार्ग पर यातायात के संभावित स्तर की आवश्यकताओं के अनुसार है।

(ड.): पूर्वी डीएफसी परियोजना को दिसंबर 2021 तक चरण-वार पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

*****